



श्रीग (ल सायनम) ॥

दिक्षा का यव ल वि ध पुजा व न्य नु ल रु ॥



ॐ श्रीगुरुवे नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ० सप्तशतकं यमा ल ॥ ॥ क्रापादिगु कलिसुवालि विव
 गजमाननपुष्पलज्जनयाचके ॥ अद्य ॥ वाक्य ॥ स्तोत्रा ॥ त्रिका
 ना ॥ नमस्के ॥ यासां कका ॥ उनु स्वे ॥ सिद्धि नरु ॥ वाक्य ॥
 कमलपुष्पलज्जनसमर्पयामि नमः ॥ ॥ ध्वनै लिंगाल
 लावके ॥ सला ०० सज्जुचो य ॥ पञ्च वलियागवा य ॥ वलिपा
 न १ वी य ॥ सैव ॥ अद्यायागवा य ॥ मोह निःलियागु कल सद्
 य ॥ गतापुजायाय ॥ पितृश्राव मन ॥ वाजनेथाचके ॥ अद्य ॥

मासनक्षत्र ॥ कंठकाय ॥ गुरुनमस्कार ॥ अख ० म ० लाका
 नृणादि ॥ यद्वा सनाय पादुका ॥ कर्मा सनाय पादुका ॥ कनि
 किनिविच त्यादि ॥ अवग्रपञ्जखलादि ॥ रुकागन्यासद्यादि ॥ वनि
 सिन्यास ॥ जलयाग ॥ अयपागपुजा ॥ एत ० ० ० दिशामेपुजा ॥
 मालानिप ० ॥ पंचवलीदद्यात् ॥ श्रीसर्वकामश्रीश्री ॥ प्रिदवा
 जाग्नि ॥ आवाय ॥ स्वस्वमुद्रा ॥ विन्दु ॥ गर्पन ॥ गत्वपुजन ॥ ००
 द्यादिपुजा ॥ ॐ ह्रीं लुं ०० द्यायनमः ॥ नमो नित्यनमः ॥ मुंजमा

यनम ॥ ऊं नमः ॥ वं व नूनाय नमः ॥ र्यं वायु वायनमः ॥
सूँ वं वायनमः ॥ वं व नूनाय नमः ॥ र्यं वायु वायनमः ॥ वं व
नमः ॥ ध्वनं न वलि ॥ हृगुकादिपुजा ॥ ॐ ह्रीं हृगुकादि
वायनमः ॥ गिष्वादि न वलि ॥ अग्नी वेताल हृगुकादि
अग्नि जिष्वादि न वलि ॥ काला हृगुकादि न वलि ॥ काला
हृगुकादि न वलि ॥ काला हृगुकादि न वलि ॥ काला हृगुकादि
न वलि ॥ दाम न हृगुकादि न वलि ॥ कर्मपृष्ठ हृगुकादि न वलि ॥ ॐ ॥

तगा प्रयागादिपुजा ॥ ॐ ह्रीं प्रयाग हृगुपालाय नमः ॥ वनूनु
काला पुनः ॥ गृहसाह ॥ कवनिपुनः ॥ चरित्र ॥ उका मुक ॥ ॐ ह्रीं
दविका हृगुपालाय नमः ॥ ॥ तगा जयादिपुजा ॥ ॐ ह्रीं जया
यनमः ॥ व विजयाय नमः ॥ ऊं अजिताय नमः ॥ र्यं अष नाजिताय
नमः ॥ ऊं रुक्मिणि नमः ॥ रुक्मिणि नमः ॥ मं मा रुक्मिणि नमः ॥ ॐ ह्रीं अश्वि
कर्म निनमः ॥ तगा अश्विनादिपुजा ॥ ॐ ह्रीं अश्विनादि
न वलि ॥ नूनु ॥ चल् ॥ कौध ॥ उमरु ॥ कपालि स ॥ हियन ह ॥

संस्तुतं नवायनम ॥ ॥ ततोर्वं कान्यादियुगा ॥ ॐ नृवं का
यनिद विपातुका ॥ कं माहं ध्वनिद विपातुका ॥ चं को मानिद
॥ तं वं कविद विपातुका ॥ ॐ नृवं दायनि ॥ यं चा मुल्लु ॥ ॐ
माहा ॥ ततो षण्ण किंजी पूजा ॥ ॐ द्रौ दौ दौ किं लि द विपातुका
॥ गं ना किं लि ॥ लं ला किं लि ॥ कं का किं लि ॥ सौ सा किं लि ॥ ॐ
द्रौ लौ ला किं लि ॥ ततो चतुर्षिध ॥ ॐ द्रौ णा दि यान पी ० यन
म ॥ जालंधग ॥ पूजा गिनि ॥ ॐ द्रौ का मरू पि ० यन म ॥ धन

नैव लि ॥ ततो नवपी ० यामरु पूजा ॥ गल ० ॥ वं कान्यायनि ॥
माहं ध्वनि ॥ को मानि ॥ लिषा ध्वकन्द ॥ चा मुल्लु ॥ वं कवि
वागोहि ॥ ॐ दायनि ॥ चा मुल्लु ॥ मल्ल लक्ष्मी ॥ मध्य पिठ ॥
दुर्नया मालको प्रियाङ्गु ॥ लि नय ॥ वलि ॥ स्वस्व स्तान ऊर्ध्व
॥ षण्ण ॥ वलि ॥ आवाहन मूद्रा ॥ ततो वलि विय ॥ कव
र्णैर्क कामरू पायादि ॥ त्वं क महावलि ॥ आङ्ग ॥ वाङ्ग नथा
चक ॥ धूप दिप ॥ नैव श ॥ आप ॥ प्रिदव ॥ दुर्नय या मालको

मूलया १०८ ॥ वाङ्मथा चक ॥ साय ॥ श्रीसर्वार्थ ॥ अक्रिस्तु
 य ॥ सैकान ॥ माहामाया ॥ वन्दे सदा ॥ श्री सासने ॥ ॐ काग्या
 नि ॥ उकाश ॥ वैकायलि ॥ स्यामायका ॥ च ॥ ॐ ॥
 ॥ ॐ ॥ तत्तानवविधजनयानपूष्यणजनयचक ॥ वाङ्मथा
 चक ॥ अद्भुतवाक्य ॥ गङ्गामूष्यादि ॥ वैकायनिर्यादि ॥ पिथ
 मध्यनिवासिनि ॥ सिद्धिस्तु ॥ उज्जमानस्य विवाहादेस्तगव
 ध्यस्तुमात्रिकाश्रागाधनपूजा निमिर्पूष्यणजनसमर्पयामि

नम ॥ आचार्यायकमलपूष्यणजनसमर्पयामि ॥ ॥ ॐ
 नलिपूजाद्रायकीद्रापी ॥ वाङ्मथा ॥ माहान ॥ पूजातल ॥ लि
 लकल ॥ समयना ॥ चनेडा ॥ जीमाधि ॥ कृमि ॥ सनजोमजन
 क ॥ चिपीथियजाल ॥ ॥ द्रापीकमलानिथिगरेलसपूजा ॥
 स्नानचन्दनसिंधूनदृष्टि ॥ जीमाधि ॥ कर्षपताका ॥ पंचपताका
 ॥ अद्भुतमल ॥ स्नान ॥ वाङ्मथाचक ॥ प्रित्तचश्राचमन ॥ अ
 द्य ॥ वाक् ॥ गुरुनमस्कान ॥ न्यास ॥ गकानादि ॥ उलपाय ॥ अ

घीपात्र ॥ एतसुद्धि ॥ आत्मपूजा ॥ त्रैलोक्यनलकपातुकीत्यादि ॥
मूलासनायपातुकी ॥ ध्यान ॥ गजवकुभकदंतीधायनगजोनः
नंदवतीपगकीचनसत्रीतीमादकैरुसमयुकीसूर्यकातिसमप्रहं ॥
आगच्छेणजगन्नाथशुभाशुभनमस्कृतेनाथश्रुताथसर्वदुवि
घ्ननाशकृपाकिरू ॥ ॐ ॥ श्रीसर्वलोकनारायण ॥ प्रिदंवया ॥ यामि
॥ आवाश ॥ मूद्रा ॥ दल ॥ गरुड ॥ यानि ॥ गजमूद्रा ॥ गरुड ॥
असितांगादिनपूजन ॥ वलि ॥ वृक्षान्यादिनपूजा ॥ वलि ॥

मध्यसपूजा ॥ आधात्रलकपातुकीत्यादि ॥ ८ ॥ मूलासनायपा
तुकी ॥ त्रैलोक्यनलकपातुकी ॥ ध्यान ॥ गजवकुभकदंतीधायनगजोनः
॥ प्रिधा ॥ गकाननवदंग ॥ वलि ॥ सोगाय ॥ लाकमहावलि
॥ आवाश ॥ मूद्रा ॥ धनयानि ॥ गज ॥ वाहनथाचक ॥ धूप ॥ दिवा
नंदवद ॥ ज्ञाप ॥ स्तोत्र ॥ प्रिदंवया ॥ मूलया ॥ ग्नी स्वाहा ॥ ४ ॥ मूला
लसकैग्वस्वाननय ॥ वाहनथाचक ॥ स्तोत्र ॥ श्रीसर्वलोक ॥
॥ वृक्षान्यादि ॥ गजमूषावामखगप ॥ त्यादि ॥ जथावालत्यादि ॥

नथाचक ॥ धूपदिप ॥ नेवद ॥ जाप ॥ त्रिदव वृं साहा ३४ ॥
 स्वात ॥ श्रीसंवर्त्ता ॥ वस्त्रायलिकमलंदण ॥ पुदि ॥ चतुर्दि
 जोहंसमानुषधतुमृषायादि ॥ वस्त्रायनिवृत्तसायादि ॥
 ॥ अथावाका ॥ वाक् ॥ गर्भेन ॥ अकानेक ॥ अस्वयुर्व ॥ वलिविसु
 र्जन ॥ साक्षिथाय ॥ **ॐ निवृत्तायलिपूजा ॥ ७ ॥** ततो लूमधि
 समाहृष्वनिपूजाचामूदापूजा ॥ स्नान ॥ सिंधूज ॥ चन्दन ॥ ऊऊ म्का
 दृष्टि ॥ कर्त्तयता ॥ पंचपता ॥ अरुडोमल ॥ स्नान ॥ चनेवल ॥ सकलरु

तय ॥ त्रितत्त्वश्रावमल ॥ अरु ॥ वाक् ॥ वा ऊंथाचक ॥ गूजनमस्का
 त ॥ ततो न्यास ॥ ऊलपात ॥ अर्घपात ॥ पूजा ॥ ततश्चुदिआत्मपूजा
 श्रीसवर्त्तानश्रावाहन ॥ त्रिदवथाग्नि ॥ आवा ॥ स्वस्वमूदा ॥
 अग्निगीगादिनपूजा ॥ वस्त्रायदिनपूजा ॥ वलि ॥ मध्यम
 जेज आवाजलकेपातुकीत्यादि ॥ ८ ॥ जेज वृखासनायपातुकी
 ॥ कांकिंकंकोकंमांमिमूंमूं माहृष्वनिपातुकी ॥ त्रिध ॥ षण्
 न ॥ वलि ॥ जेज चांचिचैधु ॥ पूजा श्रीचामूदविद्येपातुकी

॥ वलि ॥ श्री चामुण्डा देवी पाठुकी ॥ प्रिय ॥ वलि ॥ कं मा ह
॥ गि ॥ नृनृतेन वाय पाठुकी ॥ प्रिय ॥ वलि ॥ सांगा य ॥ सा
क मा हा वलि ॥ आवा ॥ मद्रा ॥ प्रि ॥ यु नि ॥ धूप ॥ दिप
॥ ने ॥ जाय ॥ प्रि ॥ मूलया ॥ म्या स्वा हा ॥ वा
ऊन था चक ॥ सा ॥ श्री संवर् ॥ वं ॥ य नि ॥ श्री सिताः
ग नृनृ च ॥ यथा वान ॥ वा ॥ तथे न ॥ नृकान क ॥ ४
अभ्य पूर्व ॥ वलि विमर्जन ॥ सां कि था य ॥ ॥ गि मा ह

॥ वनि पूजा ॥ ॥ नारादिव स पूजा को मानि पूजा ॥ स्नान ॥
ग नद को ॥ चंदन ॥ सिन्धु ॥ दृष्टि ॥ ऊज म्का ॥ कर्पा पता ॥
पंच पता ॥ अक्षु ॥ चो मधि ॥ स्नान ॥ तय ॥ पाता सन चय
च न वल वा य ॥ प्रि त्व आ च मन ॥ वा ऊन था चक ॥ अद ॥ वा ॥
गू न म स्का ॥ ॥ नारा क का ना दि न्या स ॥ कं अ स्का य रु ॥ कां
क नि षु का य न म ॥ य वं क र्नी ग न्या स ॥ अंग न्या स ॥ ऊल पा ॥ अ
र्ध पा ॥ पूजा ॥ एत ॥ आ स पूजा ॥ श्री संवर् ॥ न आ वा हनी ॥

॥ त्रिदेव्याग्निआवाय ॥ स्वस्वमुद्रा ॥ अहिनांगमदिनपूजा ॥
 वलि ॥ वृंकाय ॥ दिनपूजा ॥ वलि ॥ नुचंकेनं जंजं श्री श्रीकी
 मानिदेवि पादुकी पूजया मिनम ॥ ग्रिध ॥ वरुण ॥ वलि
 ॥ चंकी मानिदेवि चंलुहेन वाय पादुकी ॥ ग्रिध ॥ वलि ॥ स्वा
 कमाहावलि ॥ सी जमय ॥ आवाय ॥ मुद्रा ॥ ग्रिहिवा ॥ यानि
 वाजंथाचक ॥ धूप ॥ दिय ॥ नैथेदे ॥ जाप ॥ त्रिदेव ॥ मूलया
 श्रीं स्वाहा ॥ स्नात ॥ मलुल सुकंवागय ॥ वाजंथाचक ॥

श्रीसर्वर्त ॥ वृंकायनी ॥ अहिनांगानुचलयादि ॥ वालह
 वंमहागुद्रियादि ॥ यथावान ॥ वाके ॥ तर्पन ॥ अकानक ॥ अम्ब
 पूर्व ॥ वलि विस्तृन ॥ साक्षि ॥ अंतिकी मानियुगा ॥ ॥ तता
 पचलितेनवपूजा ॥ स्नान ॥ गनदका सु ॥ चंदनसिन्धुन ॥ दि
 वि ॥ जजुंका ॥ चोमधि ॥ कर्णयता ॥ पंचयता ॥ अद्रुडल ॥ स्वा
 नतय ॥ पोतासनचोय ॥ वाजंनथाचक ॥ त्रितत्वआचमन ॥
 मुद्रा ॥ वाके ॥ गूगूनमस्काज ॥ ततायास ॥ अंशुसोयरुद्र ॥

शुद्ध सार्क निव प्रसाद ॥ यथावान प्रह्वाना ॥ वाक् ॥ तर्प्य न ॥ ४
उफानेक ॥ अश्वपूर्व ॥ वलि विसर्जन ॥ साच्छिभय ॥ गू ॥ तिपच
लिहै नव पूजा ॥ ॥ ततो काथू पिथ पूजा चामुण्डा पूजा ॥ स्वा
न ॥ गनदको र्सी ॥ चन्द ॥ सिधूत ॥ दृक् ॥ चीमद्वि ॥ ऊऊमको ॥ कर्क
पंता ॥ पंचयता ॥ अद्रुता ॥ स्नान ॥ गनदको र्सी तय ॥ पाता सुन चो
य ॥ चन्यडा वाय ॥ पितृत्व आचमन ॥ वाजन था चक ॥ अद्रु ॥ वाक् ॥
गहनम स्कान ॥ ततान्या स ॥ चं अ सुाय द्द ॥ चंकनियु कायनम ॥

अवैक नं अंग न्या स ॥ ऊलपाप्र पूजा ॥ अर्घ्य पाप्र पूजा ॥ एत शुद्धि आ
श पूजा ॥ श्री सैवर्ग नि आवाहन ॥ पिदेव पूजा ॥ योगिनि पूजा ॥ श्री वा
ऊ ॥ स्वस्व म्दा ॥ तता पूजन ॥ अजितांगा दिन पूजन ॥ ८ ॥ वृत्ताभा
दिन पूजा ॥ वलि ॥ मध्य ॥ अथा धान लक्ष्मी पातु की ॥ ८ ॥ प्रता स्वा
य पातु की ॥ अंचा चिं चूं चूं श्री चामुण्डा देवी पातु की पूजा मि न
म ॥ पिथा ॥ अद्रु ॥ ॥ वलि ॥ सी गाय ॥ वलि ॥ लाक वलि ॥ श्री
वाक् ॥ विदु ॥ योगिनि म्दा दम्भ य ॥ वाजन था चक ॥ धूप ॥ दिप ॥

नेत्रोद ॥ ज्ञाप ॥ प्रिदव ॥ मूलया ॐ स्वाहा ॥ ३४ ॥ वाजनथाचर्क
 स्नाप ॥ श्रीसर्वर्ग ॥ श्रीनिगंगातूर ॥ वेङ्गायलि ॥ प्रतासनी
 महानोदियादि ॥ जथावान ॥ वाक् ॥ तर्पन ॥ प्रकानक ॥ अम्बपू
 र्व ॥ वलि विमर्जन ॥ साक्षिथाय ॥ तिकाधूपिथचासूदापूजा ॥
 ॥ गतातखूतिथसर्वेषु विपिथपूजा ॥ स्नान ॥ गतादकायागी ॥ च
 नदन ॥ सिद्धुन ॥ दृष्टि ॥ जह्नुयवितक ॥ चौमधी ॥ कर्णपता ॥ पंच
 पताका ॥ अहुवाल ॥ स्नानतय ॥ योगासनचाय ॥ चनेवलतय ॥

पितृ त्व आ च मन ॥ वा जन धा च के ॥ अ द ॥ वा र्के ॥ गुरु न म स्कान ॥
वैश्रवा यरुग् ॥ वां कलि ष्काय नमः ॥ उर्वक नंग नास ॥ ऊ लण
प्र पूजा ॥ अर्घ्या प्र पूजा ॥ एत छु दि श्रा म् पूजा ॥ श्री संवर्त्ति नि श्रा वा
हन ॥ पि दे व पूजा ॥ आग्नि ॥ श्रा वा ह स स्त्र मूद्रा ॥ विन्दु ॥ त ता पुन
न ॥ अग्नि तां ग म दिन पूजन ॥ बालि ॥ मध्य म ॥ आधाने ण के पादु
की ॥ ८ ॥ उ ग गुरु शास्नाय पादु की ॥ उ टं ठं गुं ठं तं वां विंवूं भू
धी वे ष् वी द वि थो पादु की पूज या मि नमः ॥ वि क्ष ॥ वरु ङ्ग ॥

वलि॥ ठं वे कविदविका ठं न वा य पा दु की ॥ वलि सांगः
य ॥ वाकमहाकलि ॥ आवाक्ष ॥ चक्राणि मूडा ॥ वाजुनथाचक
धूप ॥ दिप ॥ ने व द ॥ जाप ॥ त्रिदवया ॥ मूलयावो स्वाहा ॥
॥ ३४ वाजुनथाचक ॥ स्त्राव ॥ श्री संवर्त्ता ॥ श्री गंगान
नचल ॥ वं म्नायानि ॥ चतुर्गुणगुरुयादि ॥ ॥ यथावा
नप्रहानानां ॥ वाक् ॥ गद्यन ॥ प्रकानक ॥ अर्थपूर्व ॥ वलि वि
सर्जन ॥ साक्षि धाव ॥ ॐ गिरिगुरुनिर्ध सर्व कविपूजा ॥ ॥

॥ गताकंगसुवाताहियूजा ॥ ॥ स्नान ॥ सिन्दुर ॥ चन्दन ॥
छि ॥ जह्वायवित ॥ चो मधी ॥ कर्त्तव्यताका ॥ चचपताका ॥ अ
द्वाल ॥ स्नानतय ॥ पातासनचो य ॥ चनवलवाय ॥ त्रितच
शचमन ॥ वाजुनथाचक ॥ अक्ष ॥ वाक् ॥ वं न्मुयरुग ॥
वाकनिष्कायनम ॥ नुवंकनंगयास ॥ जलपात्रपूजा ॥ अर्घपा
त्रपूजा ॥ हूत ॥ उदि ॥ आस पूजा ॥ श्री सर्वर्त्ता नवावाहन ॥ त्रि
दवपूजा ॥ आग्नि ॥ आवाक्ष ॥ स्वस्वमूडा ॥ गद्यन ॥ गतापूजनी ॥

श्रीनितांगुदिनपूजा॥८॥ वंझान्यादिनपूजा॥८॥ वलि॥ मध्या
 ह्नपूजा॥ अथाधारासंकपापुष्पं॥८॥ महिषासायपापुष्पं॥
 त्रैलोक्यं दंडं नंदं श्रीं वाग्राहिदं यो पापुष्पं॥ प्रिधा॥ वपुष्प
 वलि॥ सांगम उद्युय॥ वलि॥ तंवाग्राहि ॐ उ मरु ए नवाययाः
 पुष्पं॥ प्रिधा॥ वलि॥ लाक माहावलि॥ कालमूडीदर्शयत्॥
 योनिमूद्रा॥ वाजनथाचक॥ धूपदियनेयद॥ जाय॥ प्रिदव्यो
 याग्निया॥ मूलया श्रीं स्वाहा ३४॥ गुण्यातिगुण्य ए॥ मदलद

यक-कगागय॥ वाजनथाचक॥ स्त्राय॥ श्रीसर्वर्त्ता॥ श्रीसिमा
 गा॥ वंझायनिददहस्त्रा मलदात्रा॥ एादि॥ यथावान॥ वाक्क॥ त
 र्थन॥ प्रकानक॥ श्रीम्वपूर्व॥ साकृथाय॥ श्रीनिवाग्राहियूजा॥
 गगालूतिस्त्रै दायनिपूजा॥ ॥ स्नानचन्दनसिंधूनज्जम्का
 स्नानश्रुषगकर्नयगा॥ यंचयगा॥ अद्वाल॥ दृष्टिगत्य॥ पातासन
 चोय॥ चनवलवाय॥ प्रिगतोत्राचमने॥ वाजनथाचक॥ अद्वा॥
 वाक्क॥ गूगूनमस्त्रा॥ त्रैयंश्रुकायरुग्॥ यांकनिष्कायनम॥

॥ त्रैलोक्यं गन्गा ॥ जलपात्रपूजा ॥ अर्घ्यपात्रपूजा ॥ हस्तशुद्धि ॥ आभूषण
पूजा ॥ श्रीसर्वलोकेश्वर आवाहन ॥ त्रिदेवपूजा ॥ अग्नि ॥ आवाहन ॥ स्वस्वमूर्ता
नमन ॥ तपोपूजन ॥ अभिगांगा दिनपूजा ॥ वलि ॥ वं क्काल्या दिनपू
जा ॥ ८ ॥ वलि ॥ मध्यसपूजा ॥ ॐ आधानसकृपागुकी ॥ ८ ॥ गङ्गासना
सकृपागुकी ॥ ॐ अयं यो यं ययौ श्री ॐ दायनिदविपागुकी ॥ त्रि
धा ॥ वलि ॥ वगु म् ॥ सांगमय ॥ वलि ॥ ॐ दायनिजेकपालीस
हेनवायपागुकापूजाया नमः ॥ त्रिधा ॥ वलि ॥ लोकमाहावलि

॥ आवाहन ॥ वलया निमूर्ता ॥ वाजनथाचक्र ॥ धूप ॥ दिव ॥ नेथद
जाय ॥ त्रिदेवया ॥ अग्नि ॥ मूलया य्यौ स्वाहाहा ॥ मल्लस
कृणातय ॥ स्वाय ॥ वाजनथाचक्र ॥ श्रीसर्वलोकेश्वर अभिगांगा
वं क्काल्यायनि ॥ कृञ्जलासनमात्रुतायादि ॥ ॥ यथावान ॥ वाक्क
नमन ॥ उका लोक ॥ अर्घ्यपूर्व ॥ साकिथाय ॥ ॐ निलुनिस
ॐ दायनिपूजा ॥ ॥ तपोथवहिलिसदहातिनिलखः
चामूर्तापूजा ॥ ॥ स्नानगनदका सं ॥ चन्दन ॥ सिन्दुर ॥ दक्षि

ऊऊम्का॥ चो मधि ॥ कर्त्तयता ॥ यंचयता ॥ अद्राल ॥ खानच्छाया ॥
पागासनचोय ॥ पुनगाआचमन ॥ वाऊनथाचक ॥ अद्र ॥ वाय
गुनूनमेस्कात्र ॥ उँग चंरु स्काय रुग् ॥ उँग चांकनि वृकायनम ॥
उँचंकंरुंगया ॥ तताऊलयागुपूजा ॥ अर्घयागुपूजा ॥ एत ॥
दि ॥ आत्मपूजा ॥ श्रीसंवर्त्तनशावाहन ॥ प्रिदव ॥ यामि ॥ आवा
रु ॥ स्वस्वमूडा ॥ असितांगमदिनपूजा ॥ वलि ॥ वंझायनिदिनपू
जा ॥ वलि ॥ मथासपूजा ॥ उँग आधानसकपागुकी ॥ ८ ॥ पुन

सनायपागुकी ॥ उँग यंनंलं वंचांचीरूं चूं श्रीचामूंमुदवोपागुकी
पूजायामिनम ॥ प्रिधा ॥ वरुहु ॥ वलि ॥ यंचासुवृत्तिवनह
नवायपागुकी ॥ प्रिधा ॥ वलि ॥ सांगमय ॥ लोकमाहवलि ॥ आवाय
विक्रया निमूडा ॥ वाऊनथाचक ॥ धूप ॥ दिप ॥ नेथद ॥ जाय ॥
प्रिदवया ॥ यामि ॥ मूलयाचूं स्वाहा ॥ वाऊनथाचक ॥ सु
प ॥ श्रीसंवर्त्तन ॥ असितांगम ॥ वंझायनि ॥ पुनासनिमहान
प्रियादि ॥ यथावान ॥ वाक ॥ नर्त्तन ॥ उँकानेक ॥ अर्थपूकी

ASHA ARCHIVES

574	1.273
-----	-------

ASHA ARCHIVES

88 42 82

100 10/10 53

100 10/10 22

100 10/10 13

100 10/10 13

श्री महाकाये नमः ॥
श्री एवानि सत्र न ॥
श्री सत्र सधिनमः ॥



जिनया॥ मूलया मूर्ति स्थापना ३४॥ वाङ्मनथा चक्रे॥ मन्दलदय
क॥ स्नातु॥ श्री सु संवर्ण॥ श्रुतिगंगा॥ वंशायलि॥ न
मामिसिल साद वि गोदि॥ यथावान॥ वाक्य॥ गर्प्य॥ उका
नेक॥ श्रुतिपूर्व॥ साक्षिथाय॥ ॐ नि माहात्म्य श्री पूजा॥ ८॥
गताङ्ग स मधु पिथ सकुलं ध्वनि पुजा॥ स्नान आचमक॥ ग
लादको स याक॥ चन्दन॥ सिद्धन्त॥ दक्षि॥ ऊरुम्का॥ चो मधि॥
रुद्रुङ्गल॥ कर्त्तव्यता॥ पंच पता॥ स्नान का य॥ पाता सुन चो

य॥ च (१) वे ल वा य॥ प्रितस्व आचमन॥ वाङ्मनथा चक्रे॥ श्रुत्या
वाक्य॥ गुरुनमस्कार॥ गता न्या स॥ रुकानलका न्या स॥ वगिसि
न्या १॥ कुल पाप पूजा॥ श्रुतिपाप पूजा॥ एतद्भुदिश्रा म्पूजा॥ श्री
संवर्णनश्रा वाहन॥ प्रिदेव पूजा॥ या गि॥ आवा स॥ स्व स्व मूजा॥ हं
सा सुना पागुका॥ ८॥ ॐ श्रुति वंशायलि श्रुतिगंगा मल्ल हे न वा य
पागुका॥ पूज्या मि नम॥ ८॥ वलि॥ मूलया श्रा धा नलका पागु
का॥ ८॥ प्रसा सुना यनम॥ कर्मा भना यनम॥ श्रुतिन॥ वज्रवति

भि॥ वलि॥ हकागसकान॥ वलि॥ ॐ श्री अनादिमहापि० म
 नमहाकृष्णकलासगृहं मूँ कृद्वि काये मूँ श्रीकलचक्रं ध
 निश्रुमापागुकापूजयातिनम॥ ॥ ॐ श्री अनादिपि
 थमनूकृष्णकलासगृहं मूँ कृद्वि काये मूँ श्रीकलचक्रं
 ध्वनिश्रुमापागुकापूजयातिनम॥ ॥ ॐ श्री अनादिपि
 मनूकृष्णकलासगृहं मूँ कृद्वि काये मूँ श्रीकल
 चक्रं ध्वनीपागुकीपूजयातिनम॥ पिथा॥ ॥ ॐ श्री अनादिपि

॥ वलि॥ लो रूगसगिरिवाध्वकदनपूजा॥ समयवलि॥ ला
 कमहावलि॥ आवाध्व॥ धनुयानि॥ वागुनथाचक्रं॥ धूप॥
 दिय॥ नेद्यद॥ जाप॥ त्रिदवयाग्नि॥ मूँ स्वाहा॥ ॐ
 स्वाहा॥ ॐ॥ वागुंथाचक्रं॥ स्नाप॥ मूँ श्रीसंवर्ता॥ ॐ
 कात्रा॥ वंक्षायलि॥ अग्नितां॥ ॐ॥ अथ कृष्ण॥ पिथम
 थनिवासिनि॥ ग्यादि॥ ऊथावानप्रहागात्रांयादि॥ वाक्कनस

सह॥ अने॥ पीतयुगा॥ नृकानेक॥ अर्धपूर्व॥ बलि विर
 न॥ साक्षि थाय॥ धनं लिक्क मि पानि सु समय विय॥ चिण
 यलेन कावु हय॥ वृमि पानि सयानय धन कावु कुंठा य॥
 ॐ निमय॥ यथ युजा॥ ॥ धनं लिक्क सयुजा याडाडाः
 गजमान याग स्वस्तिक चीया वगय॥ प्रियां सुलि छा यके॥
 सागु॥ वाक्कु दही नाका य॥ गय का य॥ देव या क॥ सकल
 गजमा निनां पानि स्यन देव गय यके॥ दक्षि नाका यके॥ ध

आचार्य जी महोदय

नं लि॥ सलि सा लास॥ दही नाग याडा॥ लं वग याडा॥ वाचं ग
 वाक्कु न सह॥ धनं लि॥ मिम्याल चल पती गय॥ ॐ का पकान
 निर्मळ ने या य॥ वाक्कु॥ दुअर सा य दूग॥ धात्र ३ चल पगंगा
 बलि विय॥ हूगा य विधा का ना ला दि॥ मत्त विय॥ स प्र का सा
 ॥ धनं लि॥ बलि॥ मि सलि पि खाल ख सुता के को य॥ धनं
 लि॥ गजमान याग॥ चेत स्तान विय॥ उकात्रं वायु विं कुं या दि॥
 धीखद चन्दन दिव्यं ला दि॥ विनं धनि महा विनो॥ मह नि॥

सगंधो ॥ सिद्धार्थ्यादि ॥ त्वमग्निपत्रमकालित्यादि ॥ स्नानः
नय ॥ त्वा नं लिनीगयाय ॥ सुप्रकासमस्तनजो त्वादि ॥ नायका
यावृ प्रति स्था ॥ प्रति स्ति गो हि देव सि ॥ जजमानयात सुप्र यवि
य ॥ थाययात्र नृक मन्नग यन ॥ थाययात्र नृक मन्न ॥ नृगुडा
॥ सलिमलासतय के ॥ कलंक पूजायाय ॥ मन्नविय ॥ कलंक
य ॥ साकिथाय ॥ वाकुनस ॥ ॐ ति वीठ पूजा सनाय ॥ ॐ
सम्बत देव ॥ सालमिनि आकाद वदि १ नाज ६ गुल ५३ ६ ॥

श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ नमस्तुभ्यं नमः ॥ कवचं ॥ श्रीदशैका
च ॥ तुभ्यं नमः ॥ इत्येवमपि ॥ विद्याप्रकाशिताः ॥ तुभ्यं नमः ॥
सर्वैः ॥ ॐ नमः ॥ तैलोक्यमंगलनामः कवचं यत्सुगोहित
॥ ॐ नमः ॥ पार्थिवं नमः ॥ सावधानावधानयुतः तैलोक्य
मङ्गलनामः कवचं मया विग्रहः ॥ सिद्धिं विद्यालयं देवि सर्वं नमः ॥
यत् ॥ पठनाद्वाननामः नमः ॥ तैलोक्यमङ्गलनामः कवचं यत्सुगोहित
॥ ॐ नमः ॥ पार्थिवं नमः ॥ सावधानावधानयुतः तैलोक्य
मङ्गलनामः कवचं मया विग्रहः ॥ सिद्धिं विद्यालयं देवि सर्वं नमः ॥
यत् ॥ पठनाद्वाननामः नमः ॥ तैलोक्यमङ्गलनामः कवचं यत्सुगोहित
॥ ॐ नमः ॥ पार्थिवं नमः ॥ सावधानावधानयुतः तैलोक्य
मङ्गलनामः कवचं मया विग्रहः ॥ सिद्धिं विद्यालयं देवि सर्वं नमः ॥

ॐ नमः ॥ धर्मार्थकाममोक्षं विनियोगः पुर्णकृतः ॥ कौवीर्यं धर्मं
पातुः तुभ्यं नमः ॥ श्रीललातकं ॥ तैलोक्यमङ्गलनामः कवचं यत्सुगोहित
॥ ॐ नमः ॥ पार्थिवं नमः ॥ सावधानावधानयुतः तैलोक्य
मङ्गलनामः कवचं मया विग्रहः ॥ सिद्धिं विद्यालयं देवि सर्वं नमः ॥
यत् ॥ पठनाद्वाननामः नमः ॥ तैलोक्यमङ्गलनामः कवचं यत्सुगोहित
॥ ॐ नमः ॥ पार्थिवं नमः ॥ सावधानावधानयुतः तैलोक्य
मङ्गलनामः कवचं मया विग्रहः ॥ सिद्धिं विद्यालयं देवि सर्वं नमः ॥
यत् ॥ पठनाद्वाननामः नमः ॥ तैलोक्यमङ्गलनामः कवचं यत्सुगोहित
॥ ॐ नमः ॥ पार्थिवं नमः ॥ सावधानावधानयुतः तैलोक्य
मङ्गलनामः कवचं मया विग्रहः ॥ सिद्धिं विद्यालयं देवि सर्वं नमः ॥

॥ स्वाहा वस्य क्षी निद्या मा मरु जे सदा वरु । तार्ज माया च कवचं ॥ रव
च च वं त ता वध ॥ हृदा जिं रे ट महा विद्या हुगु द सा भि खिल पुदा । त्रि
गा व ॥ हि ए पाया कि व का न स दो च मा ॥ अ क्रो सो सात ता वा ना मा म
ई द ॥ गा वरु । वि दु ना ते न बी वा ला । ए स्व मां त् व दा वरु ॥ ॐ ति ते क
व चं पू न्य । तु ला क्य म झ ल प हं सा ना मा त न तं पू न्य महा वि द्यो द्य वि ग
ह ॥ अ स्वा पि प ठ मा म ॥ ४ कृ थ गा पि ध न ष्व नः ॥ दु द्या द्या ॥ ४ स क ला
द वाः क्षा न ॥ ए थ ना छ त ॥ ४ ॥ सर्व सि धि ष्व नाः स रु सर्व ष्व र्य

म वा पू यः ॥ पू ष्या ष्व रु ख कं द या । अ ल ने व पृ थं पृ थ क् ॥ स न्य त स न
ल गा यो रु पू जा या रु ल मा पू या त ॥ प्रा ति म न्या ने न । रु ला क मे ला
ला नि त्र लो गु ह ॥ वा नि चा लि वे स द क् । स ए यं स त् यी न स स यः या
क्ष ग य ति पू ष्या त्मा । तु ला क्य म झ ला त्रि धं ॥ क वे चं य न मं पू न्य
सा पि पू न्य वं तां व नी व नः । स र्व ष्व र्य य ना ह स्वा । तु ला क्य वि जं या
ए वं त ॥ पू न्नु षा द धि नो वा हु ना नि वा म रू रु त थाः । व रु पू न्नु
व ति ह्वा व च नि ल ए त् स ती ॥ वं ला षी की नि स स्ता नि ने

वक्रवक्रनिगजनी। यत्क वचं मग्या सा या हज्जु हवने ष्व नि।
दानि शी यत्र मी प्राय सा विना मय्यु मा पु या त ॥ ॐ नि ष्ठी । नू द
यामले द वि ॐ स्व न सं चा दे तु लो के म फल नाम हवने स्व
निक वचं समा फ ॐ ल ॥ ॥ सम्य त ६६ ५ साल गि नि सा डी
न कृ प वा व दू नि वृ ध वा न श ल ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ

१०१ गु नू पान न ॥ ॥ दी प जा ग लि ख्य ते ॥ चक्र उद्गा त ल या य ॥ ना सि
य ॥ सु र्या ष ॥ अथा दि ॥ क ली क लू र्य त्या दि ॥ गु नू न स्का ना दि न्या स ॥ अथ
पा प्र कृ ल पा प्र य जा ॥ ए त ॐ दि ॥ आ म य जा ॥ ध ल ७ च गु र्से स्का त ॥ च तु स
म र्ति ध त न वी य ॥ म स पाने ॥ ॐ व ल लै ष नि न ची य ॥ ७ ॥ लू डी हा पा ड का
न ॥ अ कृ त द्वा रु त ग य ॥ लै ठ न ण यै ॥ प च ॐ प्र का न चि य ॥ कृ म् पा प्र स्त्रा
ना दि ॥ कृ म् ल प न ॥ मि स य ल ॥ कृ म् थ ने ॥ पा प्र पु न य त ॥ व ल्नी नी य
या दि ॥ ध ने थ दि ल स मा ल का कृ म् सु पा प्र स मि या डु लि ॥ थ ने स व
उ ॐ ॥ ई ड स व लि ॥ धू पे ॥ दी प ॥ जा प ॥ स्ना न ॥ थ व थ व स ॥ स्व स्का न या
ठा ठी था य था य स त य ॥ थ ने चक्र उद्गा त ल ॥ ॥ माल का यो गा स न

चो याववसलपे ॥ ॥ नोसिव ॥ सूर्यार्घ्य ॥ गुननमस्कानादिन्यास ॥ ज
लार्घ्यपात्रपूजा ॥ एतच्छुद्धिआमपूजा ॥ मालनिय ॥ १० ॥ पंचवलि ॥
श्रीसर्वकर्तृनारायणन ॥ त्रिदेव ॥ केलस ॥ कर्म ॥ पात्रपूजा ॥ सागसयी
(मकम्मोचनकारेयत् ॥ कुमानिरजापूजा ॥ धूपदीप ॥ मोहनिरुयः
श्रीमहात्रययादि ॥ तर्पण ॥ जाप ॥ स्तोत्र ॥ उक्तानेकपिवनेचोकास प
वलि ॥ य ॥ इनेमनेवनि ॥ वृषिपूजा ॥ पशुपूजा ॥ पशुनर्त ॥ वीकनका
य ॥ कृतिकायसमयकाय ॥ धनदिनसयाविधी ॥ ॥ नताचानुसया
विधि ॥ ॥ धनचलसाधनयाय ॥ धालार्घ्यपात्रसहैरुक्तपात्रनयाडोम
अशादि ॥ सूर्यार्घ्य ॥ धालसगुननमस्कानादिन्यास ॥ जलार्घ्यपात्रएतच्छुद्धिआ

मपूजा ॥ धालसचगुसस्कान ॥ अर्घ्यपात्रनपंचपलवचोय ॥ चलूलादादकै
साधनयाय ॥ तांजयाइवनेतिकोलचोय ॥ ॥ धालसहामलचून
सावनउमसलजूलिगयावउमल ॥ तांजसथने ॥ ॥ धालसयचै
चूननयाडोचेलसारवलउमसलजूलि ॥ धैचन ॥ जलचन ॥ एच
नसेवनचिकितिधननयगंगजलधननयाडाइइनयावक्राय ॥
दियअय ॥ गङ्गाशिवकिनिगूदयकेपत्रसयचिकिधनगु
तिकोनलूयकामालकोदयके ॥ ह्याउकापतनहने ॥ चलूदकाधन ॥
कस्तुधन ॥ शिवसकिधने ॥ धनस्वस्नानयाठाथवधवधयसग

य ॥ ८७ ॥ वदक सर्व यागवसलय ॥ यात सा पाद प्रक्षाल्य ॥ दातो लीख ॥
 ॥ सलत यागो कोपना ॥ ८७ ॥ चोयके ॥ ॥ सेवयादि ॥ यागिनीयादि सुगर्भ
 वाकूत पले पांता सनचोय ॥ थवथ वथय सचोने ॥ ॥ गुग्गुलीयागि
 नीआदि गल पूजा या हावरुय ॥ ॥ नीसिय ॥ अशादि ॥ सु र्या र्छा पा
 य ॥ गुग्गुलि ॥ आभ पूजा ॥ यागिनीया खव वला पाचि जा नाठा आवाहन या
 य ॥ आसन गय ॥ आधन नकादि ॥ ८ ॥ सवासन ॥ चन्दन सिंदूर मोहनि
 जजम्बा ॥ वसु ॥ कर्पूयता ॥ पंचपता ॥ स्नान ॥ प्रीया पुलि ॥ अउ ॥ या
 निमूडा ॥ गुग्गुलीया गुग्गुली नजीया व ॥ समय खव नजा हाठा ॥ सिंधनश

म

क कायाठा पदलेप ॥ चतुर्क गृह ते विनयादि ॥ यागिनी ज्ञाय वलिवि
 य ॥ यके चित यागिनी नीयादि ॥ सुस मनुषी ० यादि ॥ वलि गृह महा
 विनयादि ॥ यत न सिंदूर दक्षि नायादि ॥ अग्रगंधादि ॥ स्नान ॥ यासा
 एदायादि ॥ ०० ॥ छाया नियादि ॥ स्नान मात्र कायादि ॥ अग्रगंधादि ॥ दक्षि
 ॥ निर्विघ्नं प्रयान् ॥ थने यागिनी पूजा ॥ ॥ द्रव आसन ॥ आधन न
 कय यादि ॥ ८ ॥ प्रतासन ॥ चन्दन सिंदूर मोहनि यस्त्र पवित्र स्नान ॥ प्रिया
 पुलि ॥ पाय समय उत्थ ॥ वलि ॥ सु ॥ मसु मनुषी ० यादि ॥ वलि गृह

कलि कलुख यादि ॥ यागिनीयाके गुग्गुलीयादि ॥ यासादि जल ध ८

यादि॥ सिद्धगदकिना॥ स्फुट॥ थवथव॥ दकि ल॥ यथावान॥ नि
विद्युपयानु॥ ॥ उर्वकमन॥ आसन॥ गुयीकुलि॥ स्फुटथ
उथउ॥ वरुक॥ गल॥ नवात्मा कम्म॥ पंचवलि॥ इवनथ॥ थ॥
मनुस्फुटथ॥ थउ॥ ॥ लिखास्वचन्द॥ ॥ थनमलपु
जाविधि॥ ॥ ततोयोगिनादिसगलस्यदेगुलियाय॥ ॥ नो
सिय॥ अथादिमासनक्षयजथावक्क॥ सूर्यार्घ॥ गुरुनमस्कात्रादि
न्यास॥ जलार्घपात्र॥ हस्तसूदि॥ आत्मपूजा॥ मालसिप॥ ॥ गुरुस्य
पंचवलि विच॥ थनलिथउवलिमेवियास्फुट॥ ॥ गोर्थापूरण

दि॥ पंचवल्यार्घनविधिरुसर्व॥ ॥ श्रीसर्वर्गमन्दलीगनआवा
हन॥ गिदेव॥ वन्दुसूर्यद्वयकृष्णविवर्णकिपूजयत्॥ थनलिथ
॥ मालकोदगुलियाय॥ धूप॥ दीप॥ जाप॥ स्फुट॥ गणन॥ प्रितपुता
॥ थनलि॥ योगिनादिसगलसक॥ आह्लाकाय॥ पदलये॥ आह्ला म
यणादि॥ आह्लाआह्लाथाय॥ ॥ वरुहाउ॥ हाजाहनलनतिय॥
हनुलहनरुय॥ दुगुयाआहनलकोखाय॥ ॥ ततोचक्रपूजा
याहरुय॥ नोसिय॥ अथादि॥ सूर्यार्घ॥ गुरुनमस्कात्रादिन्यास

॥ जलार्घ्यपाठ ॥ एतद्गुरुदिशाम् पूजा ॥ पंचवलि विय ॥ मयुगा सुनायपा
 इकी ॥ श्रीजी कलपुत्रवट् कनोत्तय पागुफी ॥ वलि ॥ ॐ एतद्गुरुदिपंचव
 लि ॥ जाप ॥ स्तोत्र ॥ (गोर्धो पूर्ण एतद्गुरुदि ॥ पंचवल्पा र्चन ॥ ॥ धनैलि
 वविधिर्धुं च नृपूजाया हा हा हय ॥ कर्मपूजा ॥ धनैलि ॥ दिपञ्जरा
 वैदुस्वती गोयी गिनिवलि विधिर्धुं विय ॥ ॥ धनैलि ॥ दिप
 चाय ॥ मनु ॥ स्वस्ति वाक्प (० ७ ॥ दिपपूजन ॥ धूप ॥ दीप जाप ॥ स्तो
 त्र ॥ अस्तु मे नदीपे विसर्जन ॥ दिपप्रमन ॥ श्रीस्वर्णन ॥ कालि

चल विय ॥ आगमतयद्रव्य ॥ पंचवलिच ॥ यागिन्यादिगण विय
 ॥ दीपे विय ॥ दीपएकन ॥ अरुतजा एतद्गुरुदि ॥ मनुप (० ७ ॥ ॐ तिदि
 पएकन ॥ ॥ गताखेचन प्राप्तन ॥ माहा मयुन स एतद्गुरुदि ॥ ॐ ति
 खेचन प्राप्तन ॥ गताखेचन प्राप्तन ॥ निर्माल्य निर्मल एतद्गुरुदि ॥ ॐ
 तिखेचन प्राप्तन ॥ गताखेचन प्राप्तन ॥ मत्समी स माहा मी स ॥ ॐ
 तिखेचन प्राप्तन ॥ गताखेचन प्राप्तन ॥ आरु विज्ञान सिद्धि ए
 दि ॥ ॐ ति (० ७ ॥ तिखेचन प्राप्तन ॥ ॥ कचन. लुचन. जलचन. (० ७ ॥ ति
 न नृहाहा सर्वचल सन याताता लाता. धवा दता न. चक्र चोय ॥

प्रिकुट मूडान चोय ॥ मध्वनिकान वासु षट्को ल वाशु अरु सु
ग ॥ चतुन दान ॥ (थ पु नन ॥ मध्व स ॥ रुकात्र ॥ अधान वज्रवती ॥
३ ॥ कउरु ॥ दिपद को सी झा उ स्थाने गय ॥ सर्व च नु नु मल वाक् ॥
सर्व च नु नम स्काने लादि ॥ योगि ज्ञाय ॥ लिका यो उ ॥ सर्व नम स्काने
कला ॥ दीय सनक ॥ सर्व च नु पा सने ॥ अने न विधि नाम ल्ये लादि ॥ म
नु ॥ एकुली ॥ ॥ धने लि महा पाणु थाने ॥ अहि सुक ॥ श्री सम्वर्त
न ॥ पथ मग मने ॥ अउरु ॥ नर्ये ल प्रित पुता ॥ उया सा ल कि ॥

द्विगु मने ॥ अरु याक ॥ नर्ये ल ॥ अरु विजा ति ॥ सकाने म नू ॥ नृ
तियु मने ॥ केच ॥ नर्ये ल ॥ अविना (ण) ॥ श्री सम्वर्त ॥ ॥ सम
यानक ॥ कुर्ये ति दया ॥ ॥ पाणु अवि (ण) ॥ पाणु अरु मूष ॥ पुन
पाणु उ थान ॥ उका (ल) क ॥ अरु यु र्व ॥ वलि (थ) य ॥ सहाने मूडा ॥
मूडा लोयन ॥ प्रवर्त ले न वी च कु लादि ॥ ॥ विन हा शू ॥ थडा थडा
वलि विय ॥ धून के ॥ गिव सु कि कोया उ ॥ नर्ये न ॥ अविना सा ॥ ॥
कले ख पूजा ॥ ॥ कले ख या अहि सुक काय ॥ मूरव ठु दि कोय ॥

॥ ॥ सतिखनूपुण्यानमृयागवलिसजागने॥ विधि(थं वलि
(थय॥ निरुक्तमयाय॥ ॥ ऊऊमानअलिखक॥ चन्दनसिन्दु
न.स.गमन.मोहनि.स्वान.समय॥ ॥ कोमानिजाम॥ यथावि
धिपूर्वचन्द॥ साक्षिथाय॥ ॐ निपुण्यानमृयागवलिसजागने॥ ॐ निपुण्या
न.स.गमन.मोहनि.स्वान.समय॥ ॥ १ उधानलिखितचक्रम
जसावर्णनूपिनी॥ मध्यप्रिकोनवद्वानचाककोलीद्विषाउठा
वाथाजनचक्रतु.वतिसिपूनवाश्रक॥ वाकवलिदणकविन्द्या.

दसिताऊहुतुकादिकी॥ ॐ सायादसम(वववलिदशाविचक्र
न॥ उतकचक्रमादया.दीपकागममंजुली॥ ॥ वायविधि॥
प्रिकोनदोस.पात॥ पातुयाऊवलास.अलुऊ॥ खडास.अर्द्ध
पाक॥ हुडानक॥ षट्कोनस.वातिनेद्वचन॥ याकलिस.त
चन॥ ॐ कलिस॥ ऊलचल॥ वाकलिस॥ (जवत्र॥ यकलिस
सर्वचन॥ यातिनेकोल॥ थयापिअन.सूयनपातद्व॥ वातिनी
यागिनिवलि॥ ३२॥ थयापिअन.क्रिपाटखाल॥ १०॥ ॐ सादि
॥ १०॥ हुतुकादि॥ १०॥ वंक्ष्यादि॥ ८॥ अस्मिनीगादि॥ ८॥ पा

प्रयादवन. थालदीपचरु ॥ धर्म मल्ललन. खडा स. पञ्च वलि ॥ ऊव
स. क्र. क्र. ॥ क्र. क्र. या. क्र. वन समया न. क्र. ॥ धर्म वन वस लय विधि
पीवन वस लय विधि ॥ ॥ शिव सक्ति. क्र. क्र. या. आसन. त्रिको
न. वडा ॥ पीचवलि ॥ ॥ यागिनि आदिन. जगन स. आसन. वाक
टपल पतिचो य. खर स. वलि ॥ ऊव डा स समय वाग स. ह. धर्म व
स लय विधि ॥ ॥ गुरु नुम स्कानादि दवा चर्न ॥ ॥ अथ चरु सा
धन ॥ न्यास ॥ ॥ ॐ श्रीं श्रीं नमः ॥ चरु तीज साधन ॥ ॥ अग्नि
स्वायन ॥ ॐ शिं श्रीं नमः ॥ धर्म नुन जाकि. काय ॥ ॥

अभक्तिक. गडा ॥ पूजा किं न व ॥ इइ ॥ धल सा वल ॥ धर्म प. आक
न व कोय ॥ गायत्री न ऊप धन २७ ॥ वति शि. न वा सा. वउ (कन
पूजन ॥ आवाहनादि (धन मूद्रा ॥ ॐ श्रीं श्रीं नमः ॥ धर्म नुन आल
ज्ञान ॥ चरु शका (ध पा क या य ॥ ॥ धर्म चरु धन विधी
शला ॥ ॥ सम्वत् २२४ साल मिति ॥ ॐ श्रीं श्रीं नमः ॥ यागि
याद सि. मीगल वाग खनू चा या शला. लिखित कर्मा चार्थ सिद्धि
मानसि ॥ ॐ ॥

॥ ॐ ह्र पनम श्री श्री म स्वक पालं त्यादि ॥

अथ विरुति स्तानी ॥ १ ॥ गुन्ननमस्कान ॥ संध्यायान्यास
॥ ॐ गं गं यनमत्पादी ॥ ॐ हृदयादिषु ॥ विरुतिकार्य ॥
ॐ कौत्वाहा ॥ ॥ ॐ कौत्सदाहिवाय महायागपतय विरु
तिपतय ॐ हृदस्वाहा ॥ ॐ कौत्स महाकामकला विरुतिय स्वाहा ॥
व्रं कर्नद ॥ ॐ कौत्स महाकामकला ॥ कौत्साहा ॥ तलात ॥ ॐ कौत्स गान
कौत्साहा ॥ ककु ॥ ॐ कौत्स वक्रसक स्वाहा ॥ वामस ॥ ॐ कौत्स विष्णु
कौत्साहा ॥ दक्ष ॥ ॐ कौत्स रुद्र ॥ कौत्साहा ॥ नारो ॥ ॐ कौत्स दक्षी

वठ्ठ क स्वाहा ॥ पृष्ट ॥ ॐ ह्रीं महागि वल क स्वाहा ॥ कक्र ॥ ॐ ह्रीं व
वन्न नय स्वाहा ॥ लंघन सिय ॥ ॐ ह्रीं स्वाहा ॥ हकानादि न्या ॥ ॐ
ॐ ह्रीं सौ सदा गिव विरूति पतय ॥ वतिथ विसर्ग कृत्स्न स्वाहा ॥ ऊप
॥ १० ॥ ॐ ह्रीं सौ स्वाहा महा काम कला व्रं क कालिका य स्वाहा ॥ व्रं क न
द ॥ ॐ ह्रीं सौ स्वाहा महा काम कला व्रं क कालिका य स्वाहा ॥ ल
लात ॥ ॐ ह्रीं सौ स्वाहा ह्रीं ति ॥ क काली काय स्वाहा ॥ हृद ॥ ॐ ह्रीं
सौ स्वाहा विष्णु क कालिका य स्वाहा ॥ वामांस ॥ ॐ ह्रीं सौ स्वा

हलिवलकिकालिकाय स्वाहा ॥ दक्षौ स ॥ ॐ ह्रीं सौ स्वाहा नृद्वलकि
कालिकाय स्वाहा ॥ नारौ ॥ ॐ ह्रीं सौ स्वाहा ॥ दलिवकालिकाय
स्वाहा ॥ पृष्ठे ॥ ॐ ह्रीं सौ स्वाहा ॥ वलकि कालिकाय स्वाहा ॥ क
कू ॥ ॐ ह्रीं सौ स्वाहा ॥ दलिवविरूतिपतय स्वाहा ॥ वलकि
कालिकाय व्यापकाय स्वाहा ॥ सर्वाङ्ग ॥ ॐ तिव्यापकादिसि
नादिपादीत ॥ लंघनलिय ॥ ॥ ॐ महाकामकला ॥
कपनवेत ॥ नृपिनिविरूतिस्नान ॥ गतदहि ॥ छुवि

प्रयच्छम ॥ ज्ञानाज्ञाना ॥ यत्रिऊप ॥ १० ॥ गुह्यति ॥ ॥
देवयातलंघविय ॥ ॐ ध्यायाय ॥ ॥ ॐ तिविरूतिस्ना
सम्बत् १०३४ हलानु १४३ कू १० नाऊ २ सवाया ॥ ॥ छुर्ण ॥
सम्बत् १०३४ हलानु १४३ कू दूतिया पनत्रितिया २१३ नाऊ
सलनिमाया चपा हिनामाया हिनामाया हनिमाया देवमा
यायु प्रयात जिवनाथ सिंगुनूवादि ॥ विल ॥ प्रियाथ सिंगुनू
नकू वनसि माति मासि पूजा हानि कुल ॥ छुर्णम् ॥ ॥ छुर्ण